राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 194 | जौनपुर | सोमवार, 03 मार्च 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

भिंडी व खरबूज की खेती समय से पहले करने से किसान की आय होगी दोगुनी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 03 मार्च, जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि गर्मियों में भिंडी की फसल लेने वाले किसानों के लिए फरवरी से मार्च का समय बुवाई के लिए अनुकूल है। जनपद में निदेशालय से आवंटित बीज यथा– काशी प्रगति, काशी क्रान्ति, और काशी चमन प्रजाति के 128 किलो ग्राम एवं खरबूज पूसा, मधुरिमा 2 किलो ग्राम बीज जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में बीज उपलब्ध है। कृषि वैज्ञानिकां के अनुसार 01 हे0 खेत की तैयारी के लिए 40–50 कुन्तल सड़ी गोबर की खाद, 50 किलोग्राम एन0पी0के0 16 एम0ओ0पी0 और 16 किलोग्राम यूरियां का प्रयोग करे ।

गुजरात में पीएम मोदी, तीन दिनों में तीन जिलों का करेंगे दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले तीन दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचे। पीएम मोदी रविवार को रिलायंस जामनगर रिफाइनरी परिसर में 3000 एकड़ में फैले वनतारा का दौरा करेंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन द्वारा जामनगर में रिफाइनरी परिसर के भीतर लगभग 3,000 एकड़ क्षेत्र में स्थापित वनतारा एक अत्याधुनिक पशु बचाव, संरक्षण और पुनर्वास केंद्र है। हाल ही में वनतारा को पशु कल्याण को लेकर किए जा रहे कार्य के लिए सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय प्राणी मित्र अवॉर्ड से

सम्मानित किया गया था। अपने गुजरात प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी विश्व प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर का प्रबंधन करने वाले श्री सोमनाथ ट्रस्ट की एक बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। गुजरात भाजपा इकाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ष्आत्मनिर्भर भारत के प्रणेता, विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता, गुजरात के गौरवशाली सपूत एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुजरात की पावन धरती पर हार्दिक स्वागत है। वहीं 3 मार्च को पीएम मोदी सुबह 6 बजे गिर राष्ट्रीय उद्यान में सफारी से अपने दिन की शुरुआत करेंगे और एशियाई शेरों को देखेंगे। वह जूनागढ़ जिले के सासन में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

इस तरह की बैठकों में वन्यजीवों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा की जाती है और उन्हें अंतिम रूप दिया जाता है। यह बैठक इसलिए खास है क्योंकि इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करेंगे। एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य हैं, जिनमें सेना प्रमुख, विभिन्न राज्यों के सदस्य, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, मुख्य वन्यजीव वार्डन और विभिन्न राज्यों के सचिव शामिल हैं। बैठक के बाद प्रधानमंत्री सासन में कुछ महिला वन कर्मचारियों से बातचीत करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री गिर सोमनाथ जिले में स्थित सोमनाथ मंदिर में पूजा–अर्चना करेंगे। सोमनाथ से वह राजकोट हवाई अड्डे पहुंचेंगे और दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

शिवसेना हर दिन मजबूत हो रही, सभी दलों के नेता इसमें शामिल हो रहे – शिंदे

मुम्बई, (एजेंसी) । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को कहा कि शिवसेना हर गुजरते दिन के साथ मजबूत हो रही है और सभी दलों के नेता इसमें शामिल हो रहे हैं। यहां 'एकनाथ पर्व' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जून 2022 से 2024 के अंत तक मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में कई कल्याणकारी योजनाएं आईं, जिनमें प्रमुख 'लाडकी बहिन योजना' भी शामिल है, जिसके तहत ढाई लाख रुपये से कम वार्षिक पारिवारिक आय वाली महिलाओं को मासिक सहायता के रूप में 1500 रुपये मिलते हैं। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वह कोरोना महामारी के दौरान मैदान पर थे, जबकि कुछ लोग घर पर ही रहे। शिंदे और

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अकसर कोरोना महामारी के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री ठाकरे पर मुंबई के बांद्रा इलाके में अपने घर मातोश्री से प्रशासन को संचालित करने का आरोप लगाते रहे हैं। शिंदे ने कहा, ''शिवसेना दिन–प्रतिदिन मजबूत होती जा रही है और विभिन्न दलों के नेता प्रतिदिन हमारे साथ जुड़ रहे हैं। हवाएं भले ही (बुझाने की) कोशिश करें, लेकिन शिवसेना का दीया जलता रहेगा।

योगी आदित्यनाथ ने रमजान पर प्रदेशवासियों को दीं शुभकामनाएं

लखनऊ, (संवाददाता) । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रमजान प्रारंभ होने के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। शनिवार की शाम यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार अपने शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि रमजान के पवित्र दिनों में रोजा, मानवता की सेवा, ईश्वर की बन्दगी जैसे नेक कार्यों से धैर्य, आत्म अनुशासन, सहनशीलता, सादगी आदि मूल्यों को बढ़ावा मिलता है। योगी ने कहा कि ''इससे परस्पर प्रेम और भाईचारे की भावना बलवती होती है।'' उन्होंने कहा कि ''उत्तर प्रदेश समरसता, भाईचारे और सांस्कृतिक एकता की मिसाल है।

संक्षिप्त समाचार

सरपंच हत्या मामले में विस्तृत जांच के बाद आरोपपत्र दाखिल हुआ – फडणवीस

मुम्बई, (एजेंसी) । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि पुलिस ने बहुत गहन जांच के बाद बीड के सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी। महाराष्ट्र आपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने बृहस्पतिवार को सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले और दो संबंधित मामलों में बीड जिले की एक अदालत में 1,200 से अधिक पृष्ठों का आरोपपत्र दायर किया। पिछले साल नौ दिसंबर को बीड के मासाजोग गांव के सरपंच देशमुख की हत्या ने राज्य में राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया, क्योंकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मीक कराड को इससे संबंधित जबरन वसूली के मामले में गिरफ्तार किया गया था। बीड में एक ऊर्जा कंपनी से की जा रही कथित जबरन वसूली को रोकने की कोशिश करने के चलते देशमुख को अगवा कर प्रताड़ित किया गया ।

मस्जिद में बिना अनुमति लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने के आरोप में मौलवी पर मुकदमा

पीलीभीत , (संवाददाता) । उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के जहानाबाद थाना क्षेत्र में एक मस्जिद में प्रशासन की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने के आरोप में एक मौलवी पर मुकदमा दर्ज किया गया। जहानाबाद के थानाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि थाने में तैनात उपनिरीक्षक वरुण की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि शनिवार दोपहर काजीटोला स्थित एक मस्जिद में नमाज के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किया जा रहा था। मिश्रा ने कहा कि मौलवी अशफाक को 25 फरवरी को ही उच्चतम न्यायालय और शासन के आदेशों से अवगत करा दिया गया था, जिनके मुताबिक सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर या पब्लिक एड्रेस सिस्टम का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। मिश्रा ने बताया कि अशफाक 28 फरवरी की शाम को भी नमाज एवं अजान के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल कर रहे थे ।

अदालत ने जमानत के लिए राहुल को उपस्थित रहने को कहा

नई दिल्ली, (एजेंसी) । 'भारत जोड़ो' यात्रा के दौरान 2022 में हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर से संबंधित टिप्पणी को लेकर दायर मानहानि मामले में नासिक की एक अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को निर्देश दिया कि वह जमानत प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हों। नासिक निवासी देवेंद्र भुटाडा ने अधिवक्ता मनोज पिंगले के माध्यम से

भारतीय दंड संहिता (भादंसं) की धारा 500 और 504 के तहत गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। याचिका में भुटाडा ने दावा किया कि सावरकर के बारे में गांधी की कुछ टिप्पणियों से उनकी भावनाएं आहत हुई हैं। सुनवाई के दौरान 10वें संयुक्त दीवानी न्यायाधीश, सीनियर डिवीजन और नासिक के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) आरसी नरवाडिया ने शनिवार को कहा कि गांधी को जमानत लेने के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा। गांधी के अधिवक्ता जयंत जयभावे और आकाश छाजेड ने एक आवेदन दायर कर कांग्रेस नेता को उपस्थिति से स्थायी छूट दिए जाने का आग्रह किया और जब भी आवश्यक हो, उन्हें 'वीडियो कॉन्फ्रेंस' के माध्यम से उपस्थित होने की अनुमति दिए जाने की भी छूट मांगी।

सबसे ज्यादा युवा निवेशक प्रभावित - अखिलेश

लखनऊ, (संवाददाता) । राजधानी लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को तबाही के कगार पर पहुंचा दिया है। महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। शेयर मार्केट की भारी गिरावट से सबसे ज्यादा युवा निवेशक प्रभावित हुए हैं। उनकी गाढ़ी कमाई निवेश करने के बाद बढ़ने के बजाय कम हो गई। अखिलेश ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि शेयर मार्केट में लगातार गिरावट के पीछे भ्रामक एप और शेयर की खरीद–फरोख्त करने वाले एक बड़े चालाक तंत्र का खेल है। शेयर मार्केट में गिरावट का असर अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र पर पड़ेगा। युवा पीढ़ी का ये नुकसान ईएमआई पर लिए गए घरों और सामानों पर भी पड़ेगा। भुगतान न मिल पाने की स्थिति में लोन देने वाले बैंक और फाइनेंस

कंपनियां भी इस गिरावट की चपेट में आ जाएंगी। अखिलेश यादव ने उत्तराखंड के चमोली में बीआरओ के कैंप पर ग्लेशियर टूटने से मजदूरों की मौत पर शोक जताया है। अखिलेश यादव ने देशवासियों को माह ए रमजान की बधाई देते हुए कहा है कि इस मुबारक माह में हमदर्दी और सब्र की सीख मिलती है। इस माह में अल्लाह अपनी रहमतों और बरकतों की बारिश करता है। रमजान का मकसद बुराइयों से बचना और नेकियों पर चलना भी है।

नक्सलवाद के समूल नाश के लिए की जाएगी कठोरतम कार्रवाई : मोहन यादव

बालाघाट/भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बालाघाट के शकिसान सम्मेलनश में अन्नदाताओं को अभूतपूर्व सौगात देते हुए कहा कि अब प्रदेश में धान उत्पादकों को 4 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर अतिरिक्त लाभ दिया जाएगा। गेहूं उत्पादक किसानों को भी प्रति क्विंटल 175 रुपये अतिरिक्त बोनस राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मूल्य संवर्धन योजना (प्राइस सपोर्ट स्कीम) के अंतर्गत वर्ष 2024 में 6.69 लाख किसानों ने 12.2 लाख हेक्टेयर रकबे में उत्पादित धान का विक्रय किया है। धान उत्पादक किसानों को मुख्यमंत्री कृषक प्रोन्नति योजना में प्रति हेक्टेयर 4,000 रुपये का लाभ मिलेगा। इससे प्रदेश के किसानों को 488 करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ होगा। वहीं, गेहूं उत्पादक किसानों को भी समर्थन मूल्य 2,425 रुपये के अतिरिक्त 175 रुपये प्रति क्विंटल की बोनस राशि दी जाएगी। इस प्रकार गेहूं के उपार्जन पर प्रति क्विंटल 2,600 रुपये की राशि मिलेगी। इस वर्ष प्रदेश में 80 लाख मीट्रिक टन गेहूं उपार्जन अनुमानित है। प्रदेश के किसानों को 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस के रूप में मिलने से लगभग 1,400 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का लाभ होगा। उन्होंने कहा कि सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए संकल्पबद्ध होकर निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती की जा रही है। आने वाले पांच वर्षों में 2.70 लाख पदों पर विभिन्न सेक्टर में रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे।

लखनऊ नगर निगम ने इकाना क्रिकेट स्टेडियम प्रशासन को 28 करोड़ रुपए कर चुकाने का नोटिस दिया

लखनऊ, (संवाददाता) । लखनऊ नगर निगम ने भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम (इकाना स्टेडियम) प्रशासन को 28 करोड़ रुपये से अधिक का संपत्ति कर नोटिस जारी किया है। इकाना स्टेडियम में इस माह महिला प्रीमियर लीग और अगले माह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मुकाबले होने हैं। ऐसे में यह नोटिस इन मुकाबलों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा सकता है। हालांकि स्टेडियम प्रशासन ने इस नोटिस को गलत बताते हुए इस बारे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करने की बात कही है। नगर निगम द्वारा अपर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक नगर निगम के जोन–चार ने शनिवार को इकाना स्टेडियम को 28,42,96,903 रुपये संपत्ति कर चुकाने का नोटिस दिया है। बयान के मुताबिक, ''स्टेडियम प्रशासन को एक दिसंबर 2020 से निर्धारित कर राशि 5,45,32,654 रुपये और बाकी बकाया राशि 22,97,64,249 रुपये का भुगतान नगर निगम के कोष में किया जाना है। इस तरह कुल 28,42,96,903 रुपये का भुगतान करने का निर्देश भी जारी किया गया है। यह निर्णय नगर निगम द्वारा कानून के अनुसार लिया गया है और इसे पूरी तरह से लागू किया जाएगा।'' बयान के अनुसार अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि सिर्फ सरकारी सहायता प्राप्त या गैर सहायता प्राप्त मान्यता वाले शैक्षिक संस्थाओं के खेल मैदान और खेल स्टेडियमों को ही कर से छूट है, इसलिए इकाना क्रिकेट स्टेडियम को इस छूट का लाभ नहीं मिलेगा। अपर नगर आयुक्त ने कहा कि इकाना स्टेडियम में समय–समय पर आईपीएल और अन्य पेशेवर खेलों के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होते रहते हैं जिनकी टिकट बिक्री होती है। उन्होंने कहा, ''इकाना स्टेडियम पर संपत्तिकर का निर्धारण पूरी तरह से उचित है। वर्तमान में केवल संपत्ति कर ही निर्धारित किया जा रहा है, जल कर और सीवर शुल्क वसूली की कोई प्रक्रिया नहीं की जा रही है।'' बयान के मुताबिक श्रीवास्तव ने कहा कि इकाना स्टेडियम ने संपत्ति कर निर्धारण के खिलाफ पूर्व में जो आपत्तियां दर्ज की गई थीं वे आधारहीन हैं और यह स्टेडियम संपत्ति कर के दायरे में आता है, लिहाजा नगर निगम के जोन–चार ने स्टेडियम को नोटिस जारी किया है। इस बीच, इकाना स्टेडियम के निदेशक उदय सिन्हा ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''उन्हें नगर निगम का नोटिस प्राप्त हुआ है लेकिन यह 'नियम विरुद्ध' है। वह इसे लेकर जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करके उनसे न्याय की गुहार लगाएंगे।'' उन्होंने दावा किया कि नगर निगम की नियमावली में सभी तरह के स्टेडियम को संपत्ति कर से छूट देने की बात कही गयी है, ऐसे में नगर निगम ने आखिर किस हिसाब से 28 करोड़ रुपये से अधिक का कर नोटिस भेजा है।

दिल्ली सरकार ने विभागों को एक करोड़ रुपये से अधिक के व्यय के लिए अनुमति लेने के निर्देश दिए

नई दिल्ली, (एजेंसी) । दिल्ली सरकार ने अपने विभागों और एजेंसियों को संसाधनों की मौजूदा स्थिति एवं नकदी के बेहतर प्रबंधन के मद्देनजर एक करोड़ रुपये से अधिक के किसी भी व्यय के लिए वित्त विभाग से अनुमति लेने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इससे पहले कहा था कि पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार राजधानी में नयी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के लिए खाली खजाना छोड़ गई है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी मौजूदा चुनौतियों के बावजूद दिल्ली के लोगों से किए गए सभी वादों को पूरा करेगी। हाल ही में जारी एक आदेश में दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने कहा कि संसाधनों की वर्तमान स्थिति और नकदी प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए एक करोड़ रुपये से अधिक के किसी भी व्यय के लिए उसकी पूर्व अनुमति आवश्यक होगी। हालांकि, इसमें वेतन, सभी भत्ते (बकाया सहित), मजदूरी, आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, सुरक्षा और स्वच्छता, बिजली और पानी की आपूर्ति से संबंधित व्यय शामिल नहीं होंगे।

ओडिशा सरकार छह मार्च को सुभद्रा योजना के पांचवें चरण की सहायता राशि जारी करेगा

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। ओडिशा सरकार छह मार्च को सुभद्रा योजना के तहत 1.7 लाख महिला लाभार्थियों को 5,000 रुपये जारी करेगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह योजना की पहली किस्त के वितरण का पांचवां चरण होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ओडिशा की महत्वपूर्ण योजना सुभद्रा ने एक करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। छह मार्च, 2025 को पांचवें चरण में 1.7 लाख से अधिक

महिलाओं को 5,000 रुपये की पहली किस्त मिलेगी।'' पोस्ट में कहा गया, ''वादा निभाते हुए, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) को लगभग एक करोड़ महिलाओं को 5,000 रुपये की दूसरी किस्त वितरित की जाएगीय अपनी महिलाओं के साथ ओडिशा आगे बढ़ रहा है।'' उपमुख्यमंत्री पार्वती परिदा ने कहा कि चार चरणों में 98 लाख से अधिक महिला लाभार्थियों को 5,000 रुपये की पहली किस्त पहले ही प्रदान की जा चुकी है। महिला एवं बाल विकास विभाग की भी प्रभारी परिदा ने संवाददाताओं से कहा, ''ओडिशा के इतिहास में पहली बार एक करोड़ लोगों को एक योजना के तहत शामिल किया गया है और वह भी आठ महीने की छोटी सी अवधि में।'' उन्होंने कहा कि योजना का लाभ पाने के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च होगी। सुभद्रा योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले साल अपने जन्मदिन 17 सितंबर को की थी। इस योजना का उद्देश्य 21 से 60 वर्ष की आयु की पात्र महिलाओं को 2024–25 से 2028–29 तक पांच वर्षों में 50,000 रुपये प्रदान करना है।

महाकुंभ में शामिल न होने पर उद्धव से सवाल पूछने को लेकर संजय राउत ने शिंदे की आलोचना की

मुंबई, (एजेंसी) । शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने प्रयागराज में हाल में संपन्न हुए महाकुंभ में उद्धव ठाकरे के स्नान नहीं करने पर सवाल उठाने को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर रविवार को निशाना साधा। राउत ने संवाददाताओं से बात करते हुए शिंदे की राजनीतिक सूझबूझ की भी आलोचना की और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उपमुख्यमंत्री को सवाल पूछने का प्रशिक्षण देना चाहिए। राज्यसभा सदस्य ने दावा किया कि शिंदे की गलतियों के कारण उद्धव ठाकरे से ज्यादा भाजपा और उसके नेता ''बेनकाब'' हो रहे हैं। शिंदे नीत शिवसेना राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ महायुति का हिस्सा है। महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित किया गया था। महाकुंभ में शामिल न होने के लिए शिंदे द्वारा शिवसेना (उबाठा) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर निशाना साधे जाने को लेकर राउत ने कहा, ''शिंदे को यह सवाल सबसे पहले आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक प्रमुख) प्रमुख मोहन भागवत से पूछना चाहिए। अगर भागवत एक हिंदू होने के नाते कुंभ में डुबकी लगाने नहीं गए, तो फिर उद्धव ठाकरे को क्यों निशाना बनाया जा रहा है?'' राउत ने यह भी कहा कि उन्होंने आरएसएस संस्थापक डॉ. के बी हेडगेवार या संघ के पूर्व प्रमुखों एम एस गोलवलकर, बालासाहेब देवरस, रज्जू भैया और के. सुदर्शन के किसी भी कुंभ में शामिल होने की तस्वीरें कभी नहीं देखीं। उन्होंने कहा कि यहां तक कि (हिंदुत्व विचारक) विनायक दामोदर सावरकर भी कभी (कुंभ मेले) में नहीं गए। राउत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, ''क्या मोदी प्रधानमंत्री बनने से पहले कभी किसी कुंभ में गए थे? यह केवल प्रचार का हथकंडा है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले महीने प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान संगम में डुबकी लगाई थी। राउत ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पिछले महीने महाकुंभ में गए थे, लेकिन उनके कितने कैबिनेट सहयोगी या (भाजपा) विधायक वहां गए। शिवसेना (उबाठा) नेता ने कहा, ''ऐसे मुद्दों को छोड़ दें।'' इस बीच, राउत ने शिवसेना (उबाठा) के मुखपत्र 'सामना' में अपने साप्ताहिक स्तंभ 'रोकठोक' में रविवार को दावा किया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 22 फरवरी की सुबह पुणे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर मुख्यमंत्री फडणवीस की शिकायत की। उन्होंने दावा किया कि यह बैठक पुणे के कोरेगांव पार्क स्थित एक होटल में हुई और ''57 विधायकों के नेता'' शिंदे को शाह से मिलने के लिए सुबह चार बजे तक जागना पड़ा। राउत ने कहा, ''उन्होंने (शिंदे ने) शाह से शिकायत की कि नयी सरकार में उन्हें उनका हक नहीं दिया जा रहा। और पिछली सरकार में मुख्यमंत्री के तौर पर उनके द्वारा लिए गए सभी निर्णयों को पलटा जा रहा है।' राउत ने दावा किया।

संपादकीय

खाद का संकट

देश के कई राज्यों में रासायनिक खादों की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि ने नीति–नियंताओं को चौंकाया है। विशेषकर हरियाणा में यूरिया और डाई–अमोनियम फॉस्फेट यानी डीएपी की खपत में तीव्र वृद्धि ने उर्वरक मंत्रालय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह तथ्य चौंकाने वाला है कि इस रबी के सीजन में हरियाणा में यूरिया खाद का उपयोग अट्ठारह फीसदी तक बढ़ गया है। जबकि कुछ जिलों में डीएपी की खपत में 184 फीसदी का उछाल देखा गया है। दरअसल, रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग और सब्सिडी वाले उर्वरकों की जरूरत से ज्यादा खपत, असामान्य स्थिति का संकेत दे रही है। जिसके चलते अधिकारियों को शंका है कि सब्सिडी वाले नीम कोटेड यूरिया को बड़ी मात्रा में खरीदकर प्लाइवुड, राल व खनन विस्फोटक जैसे उद्योगों के लिये ले जाया जा रहा है। जिनके लिये तकनीकी–ग्रेड वाला यूरिया खासा महंगा पड़ता है। आशंका जतायी जा रही है कि इन व्यवसाय में लगे कुछ लोग इस मूल्य अंतर का लाभ उठाकर बड़े पैमाने पर सब्सिडी वाली खाद की हेराफेरी कर रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार ये असामाजिक तत्व करीब दस लाख टन यूरिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, जिसकी कीमत छह हजार करोड़ रुपये बतायी जा रही है। इसकी पड़ताल के लिये केंद्र सरकार ने राज्य के अधिकारियों के साथ संयुक्त अभियान आरंभ किया है। साथ ही दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इतना ही नहीं, केंद्रीय उर्वरक विभाग आपूर्ति श्रृंखलाओं की निगरानी और रासायनिक खादों के रिसाव पर अंकुश लगाने के लिये विभिन्न मंत्रालयों के साथ समन्वय कर रहा है। कोशिश है कि किसानों को सब्सिडी पर मिलने वाली खाद के दुरुपयोग पर अंकुश लगाया जा सके। आशंका जतायी जा रही है ऐसी कोशिश पर यदि समय पर अंकुश नहीं लगाया गया तो कालांतर किसानों के लिये खाद की आपूर्ति बाधित हो सकती है। जिसके सामाजिक व राजनीतिक निहितार्थों को समझते हुए केंद्र सरकार के संबंधित विभाग सतर्क प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यह तथ्य निर्विवाद है कि खेती में अत्यधिक उर्वरकों का उपयोग एक जटिल समस्या बनता जा रहा है। दरअसल, आम किसानों को ठोस जानकारी नहीं मिल पाती कि इसका कितना उपयोग अधिक फसल लेने व भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिये काफी है। आम किसान पैदावार बढ़ाने के लिये बड़ी मात्रा में यूरिया का उपयोग करते हैं। खासकर नई उच्च नाइट्रोजन वाली गेहूं की किस्मों के लिये। वहीं एनपीके यानी सोडियम, फॉस्फोरस व पोटेशियम उर्वरक की खपत में वृद्धि ने यूरिया पर निर्भरता को और अधिक बढ़ा दिया है। जिससे मिट्टी का क्षरण, कीट जोखिम बढ़ने के साथ ही भूजल प्रदूषण में तेजी से वृद्धि हो रही है। निर्विवाद रूप से रासायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध उपयोग न केवल मिट्टी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है बल्कि कृषि भूमि की दीर्घकालीन उपादेयता को भी कम कर रहा है। उर्वरकों की खपत में तेजी से वृद्धि देश की आर्थिकी पर प्रतिकूल असर डाल रही है। उर्वरकों के आयात पर देश की बढ़ती निर्भरता वित्तीय संकट को भी बढ़ावा दे रही है। देश वार्षिक रूप से करीब 75 लाख टन यूरिया का आयात करता है। यूरिया की बढ़ती वैश्विक कीमतों ने उर्वरक सब्सिडी को 1.75 ट्रिलियन रुपये से अधिक कर दिया है।

सद्भाव व मानवीय मूल्यों के संवर्धन का महोत्सव

क्षमा शर्मा

पैंतालीस दिन के आयोजन के बाद कुंभ समाप्त हो गया। सरकार ने सोचा था कि इसमें पैंतालीस करोड़ लोगों के आने की सम्भावना है, मगर दावा है कि आये छियासठ करोड़, इक्कीस लाख। यानी कि बीस करोड़ से ज्यादा। चौनल्स पर लगातार जिस तरह से कुंभ के दृश्य दिखाए गए, उससे हैरत होती थी। सिर पर भारी–भारी सामान लादे लोग, पैदल चलते। कोई अपने बूढ़े

पिता को गोद में उठाए, कोई स्त्री अपनी सास को पीठ पर लादे, दो लड़के अपनी मां या घर की किसी वृद्ध महिला को सहारा देते। खुले आसमान के नीचे सोते। एक तरफ से दस से पंद्रह किलो मीटर तक चलना, लेकिन किसी तरह का उत्पात नहीं, कोई लूटपाट नहीं, कोई नफरत नहीं, कोई दंगा–फसाद भी नहीं। क्या डेढ़ महीने से अधिक के इतने बड़े आयोजन के बावजूद, इतनी अनुशासित भीड़ किसी ने देखी है। यूरोप की आबादी से भी यह भीड़ बस कुछ कम है। अमेरिका की कुल आबादी चौंतीस करोड़ है और पूरे यूरोप की चौहत्तर करोड़। यदि किसी दूसरे देश में इतनी भीड़ इकट्ठी हो, लगातार आ रही हो, तो वहां क्या होगा, इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है। कुंभ को लेकर विपक्ष की जो भूमिका रही, उस पर आश्चर्य होता है। आप भाजपा सरकार का विरोध कर सकते हैं, उसकी आलोचना कर सकते हैं, मगर जो लोग इतनी लम्बी–लम्बी यात्राओं के बाद प्रयागराज आए, उनकी आलोचना करने और मजाक उड़ाने का क्या अर्थ है। किसी की भावनाओं को अपने–अपने राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। क्या उन लोगों के वोट विपक्ष को नहीं चाहिए। देश के दूर–दराज के इलाकों से ही नहीं, विदेशों से भी बहुत से लोग आए। एक से एक बड़े लोग आए। बड़े–बड़े नेता आए। उद्योगपति आए। अम्बानी सपरिवार आए। अडानी ने तो वहां बड़े स्तर पर खाने–पीने का प्रबंध किया। कैटरीना कैफ, रवीना टंडन, विक्की कौशल, अनुपम खेर, ममता कुलकर्णी, मिलिंद सोमन, राजकुमार राव, अक्षय कुमार जैसे अनेक अभिनेता, अभिनेत्रियां भी आए। क्या ये सब मजाक उड़ाने लायक हैं। और क्यों। आप कौन होते हैं किसी का मजाक उड़ाने वाले। किसने ये अधिकार दिया। इतनी संवेदनहीनता की तो उम्मीद नहीं की जा सकती। सच तो ये है कि जब आप किसी का मजाक उड़ाते हैं, तो अपना मजाक उड़वाने की तैयारी कर रहे होते हैं। कई परिचित कुंभ में गए थे। बहुराष्ट्रीय निगम में काम करने वाली एक लड़की भी गई थी। बाकी जहां रहती हूं, वहां से भी बहुत से लोग गए थे। सभी ने एक सुर में कहा कि वहां इंतजाम बहुत अच्छे थे। कोई बीमार पड़ा तो उसे तत्काल इलाज की सुविधा मिली। खास तौर से पुलिस की भूमिका बेहद सराहनीय थी। उसी लड़की ने कहा कि वह जिनके साथ गई थी, उनसे बिछुड़ गई। घबराहट में रोने लगी। तभी एक पुलिस वाला उसके पास आया। सारी बात जानकर उसने कहा– रोओ मत। अभी मैं तुम्हें मिलवाता हूं। फिर उसने लड़की से उन लोगों के नम्बर लिए जिन्हें लड़की मिला रही थी और मिल नहीं रहे थे। उसने काफी प्रयास के बाद उन लोगों से सम्पर्क साधा और लड़की को मिलवाया। इसी तरह गुड़गांव की एक महिला को पुलिस ने रोते देखा । पूछने पर पता चला कि वह गुड़गांव से आई है, साथ वालों से बिछड़ गई है। उसे पता नहीं कि अकेली कैसे लौटना है। पुलिस ने उसे ढांढस बंधाया। कहा कि अगर उसके साथ के लोग नहीं मिले, तो वे उसे गुड़गांव तक छोड़कर आएंगे। कुंभ के समापन के दिन पुलिस ने बताया कि इस दौरान तीस हजार बिछड़े लोगों को मिलवाया गया। तीस हजार कोई मामूली संख्या नहीं है। पुलिस के अच्छे कामों की शायद ही कभी सराहना की जाती है। बल्कि बुद्धिजीवी वर्ग अक्सर बाल की खाल निकालने को तत्पर रहते हैं। क्योंकि किसी की तारीफ करने के मुकाबले आलोचना करना बड़ा आसान है। इतनी बड़ी भीड़ का प्रबंध ान कैसे किया गया होगा। सरकार और ब्यूरोक्रेसी ने अपने को झोंक दिया होगा। कुंभ के बाद न जाने कितने दिन इन लोगों को अपनी थकान उतारने में लगेंगे। पर इनकी चिंता भला किसी को क्यों हो । लेकिन हम इन सब बातों को याद नहीं रखेंगे। सिवाय तरह–तरह से आलोचना करने के। यह बात अलग है कि जब हमारे घर में शादी–ब्याह होता है, तो हम मात्र सौ–पचास लोगों का इंतजाम करने में सारी ताकत झोंक देते हैं। सिर के बल खड़े हो जाते हैं, फिर भी आने वाले खुश नहीं होते। यही हाल किसी सभा–सेमिनार का होता है। तो हम तो सौ–पचास का इंतजाम करने में घबरा जाते हैं, मगर आलोचक बनते वक्त परम निंदक बन जाते हैं। प्रयागराज में कुंभ के दौरान जो हादसा हुआ, लोगों की जान गई, या कि नई दिल्ली स्टेशन की भगदड़ में लोगों की जान गई वह बहुत दर्दनाक है। ऐसा नहीं होना चाहिए था। किसी परिवार के लिए अपने परिजन की जो कीमत होती है, वह वही जानता है। लेकिन इसमें कुंभ का क्या दोष। वहां आने वाले श्रद्धालुओं को क्यों हम अपने चश्मे से देख रहे हैं। या वे इस देश के नागरिक नहीं। फिर उन्हें यहां आने के लिए शायद ही किसी तरह की सरकारी सहायता दी गई है। जिस से जो साधन बना, वह उसके जरिए यहां पहुंचा। हमें उनकी हिम्मत की दाद देनी चाहिए। इसके अलावा जो लोग नहीं गए, वे भी किसी आक्षेप के दोषी नहीं हैं, न ही मजाक उड़ाने लायक हैं। अपनी मर्जी है, जो जाना चाहे वह जाए, जो नहीं जाना चाहता उस पर कोई जबर्दस्ती नहीं। एक ध ार्मिक नेता ने कहा कि जो लोग कुंभ नहीं आ रहे हैं, वे देश से प्रेम नहीं करते। यह बात भी गलत है। ऐसी खबरें आईं कि प्रयागराज में बहुत से मुसलमानों ने लोगों की भरपूर सहायता की। मस्जिदों के दरवाजे खोल दिए गए। मुसलमानों द्वारा संचालित स्कूलों, कालेजों में भी लोगों के खाने–पीने, रहने आदि की व्यवस्था की गई। यह बात काबिले तारीफ है। और यही अपने देश की विशेषता भी है। राजनीति आपस में चाहे जितनी आग लगाए, लोग हैं कि दूसरे की मदद के लिए निकल ही आते हैं। एक मित्र ने अपनी बेटी की कुंभ यात्रा के बारे में फेसबुक पर लिखा। बताया कि कोई वाहन नहीं मिल रहा था तो एक रिक्शे वाले ने उन्हें पूरे दिन घुमाया। जब उस लड़की ने पैसे देने चाहे तो उसने कहा कि कुंभ के दिनों में वह लोगों की मुफ्त सेवा कर रहा है। पैसे नहीं ले रहा। नाम पूछने पर पता चला दृआफताब। पहले अगर दो लोग बिछुड़ जाएं ।

न्यायपालिका में पारदर्शिता की ओर पहलकदमी

डॉ. सुधीर कुमार

भारत की न्यायपालिका, जो न्याय और समानता की आधारशिला है, हमेशा से ही सुधारों की मांग करती रही है। लंबित मामलों का बोझ, ऊंच–नीच के आरोप और प्रक्रियात्मक जटिलताओं ने न्यायपालिका की दक्षता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं। अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025, भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित महत्वपूर्ण विधान है, जिसका उद्देश्य न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना है। यह विधेयक अधिवक्ता अधिनियम 1961 में संशोधन करता है, जो भारत में कानूनी पेशे को नियंत्रित करता है। पहले, 1961 के अधिनियम के अनुसार, कोर्ट में वकालत करना ही कानूनी व्यवसाय माना जाता था। लेकिन, नए विधेयक में कानूनी व्यवसाय की परिभाषा को और बढ़ा दिया गया है। अब, कानूनी व्यवसाय में कोर्ट में वकालत करने वालों के अलावा वे सभी लोग शामिल होंगे जो कानून से जुड़े अलग–अलग कामों में लगे हैं, जैसे कि कंपनियों के लिए कानूनी काम, कॉन्ट्रैक्ट बनाना और अंतर्राष्ट्रीय कानून से जुड़े काम। इस बदलाव से कानूनी पेशे का दायरा बढ़ गया, इसमें कई तरह के कानूनी काम शामिल हो गए हैं। इससे कानूनी सेवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी और नागरिकों को विविध कानूनी मदद प्राप्त करने में आसानी होगी। वर्तमान में, बार काउंसिल ऑफ इंडिया यानी बीसीआई के सदस्य राज्य बार काउंसिल द्वारा चुने जाते हैं। लेकिन, अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 की धारा 4 में संशोधन करके केंद्र सरकार को यह अधिकार मिल जाएगा कि वह बीसीआई में मौजूदा निर्वाचित सदस्यों के अलावा 3 सदस्यों को नामित कर सके। यह संशोधन सरकार को कानून के प्रावधान लागू करने में बीसीआई को निर्देश देने का अधिकार प्रदान करेगा। वर्तमान में, अपने मुवक्किल को धोखा देना पेशेवर कदाचार माना जाता है, जिसकी शिकायत बार काउंसिल ऑफ इंडिया से की जाती थी। हालांकि, अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 की धारा 45बी के तहत, पेशेवर कदाचार के कारण यदि किसी व्यक्ति को नुकसान होता है, तो वह बीसीआई में शिकायत दर्ज करा सकता है। इसके अतिरिक्त, यदि किसी हड़ताल के कारण किसी का नुकसान होता है, तो यह वकील का पेशेवर कदाचार माना जाएगा। यह संशोधन मुवक्किलों के अधिकारों को और अधिक सुरक्षित करता है। यह प्रावधान वकीलों को अपने कर्तव्यों के प्रति अधिक जवाबदेह बनाता है और उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करता है कि वे अपने मुवक्किलों के हितों की रक्षा करें। अभी तक, एक वकील एक साथ कई बार एसोसिएशनों का सदस्य हो सकता था और उन सभी में चुनाव के दौरान वोट भी कर सकता था। लेकिन, नए विधेयक में धारा 33ए जोड़ी गई जिसके अनुसार, अदालतों, ट्रिब्यूनलों और प्राधिकरणों में वकालत करने वाले वकीलों को उस बार एसोसिएशन में पंजीकरण कराना होगा जहां वे वकालत करते हैं। यदि वे अपना स्थान बदलते हैं, तो 30 दिनों के भीतर बार एसोसिएशन को सूचित करना होगा। अब वकील एक से अधिक बार एसोसिएशन के सदस्य नहीं हो सकते और केवल एक बार एसो. में वोट कर सकते हैं। मौजूदा व्यवस्था में, हड़ताल करना गैरकानूनी नहीं था, लेकिन पेशेवर कदाचार माना जाता था। हालांकि, नए विधेयक में धारा 35ए जोड़ी गई है, जो किसी वकील या वकील संगठन को अदालत के बहिष्कार का आह्वान करने, हड़ताल करने या काम रोकने से रोकती है। इस धारा का उल्लंघन वकालत पेशे का कदाचार माना जाएगा और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकेगी। अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 को लेकर वकीलों में कई चिंताएं हैं।

..........स्वास्थ्य..........

एसिडिटी से तुरंत राहत पाने के लिए अपनाएं ये असरदार घरेलू नुस्खे, पेट की जलन होगी दूर

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम सब जल्दी–जल्दी खाना खाते हैं, बाहर का तला–भुना खाना खाते हैं और तनाव से घिरे रहते हैं। इस वजह से एसिडिटी एक आम समस्या बन चुकी है। कभी–कभी यह इतनी ज्यादा परेशान करती है कि हम तुरंत राहत पाने के लिए दवाइयों का सहारा लेते हैं।

लेकिन दवाइयों के साथ कई बार हमें कुछ दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। तो, क्या होगा अगर हम आपको कुछ आसान और घरेलू उपायों के बारे में बताएं, जो न सिर्फ सुरक्षित हैं, बल्कि तुरंत राहत भी देते हैं? इस लेख में हम ऐसे ही कुछ असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में बात करेंगे, जिन्हें आप बिना किसी चिंता के इस्तेमाल कर सकते हैं।

एसिडिटी के सामान्य कारण

एसिडिटी होने के कई कारण हो सकते हैं। कुछ सामान्य कारण हैं, जिनकी वजह से पेट में एसिड का लेवल बढ़ जाता है और एसिडिटी की समस्या उत्पन्न होती है। गलत तरीके से भोजन करना, ज्यादा तला–भुना या मसालेदार भोजन खाना। ज्यादा फास्ट फूड और जंक फूड खाने से पाचन प्रणाली पर बुरा असर पड़ता है। गलत लाइफस्टाइल और फिजिकल एक्टिविटी की कमी एसिडिटी का कारण बन सकती हैं।गलत समय खाने की आदतें एसिडिटी को बढ़ा सकती हैं।ध ूम्रपान और शराब का सेवन इन चीजों से एसिडिटी बढ़ सकती है।

एसिडिटी के सामान्य लक्षण

सीने में जलनरू पेट का एसिड ऊपर की तरफ बढ़कर सीने में जलन पैदा कर सकता है।

खट्टी डकारेंरू खाने के बाद खट्टी डकारें आना एसिडिटी का एक सामान्य लक्षण है।

पेट में दर्द और बेचौनीरू एसिडिटी के कारण पेट में दर्द और हल्की जलन हो सकती है।

उल्टी या मतलीरू एसिडिटी से पेट की हालत बिगड़ने पर उल्टी या मतली भी हो सकती है।

मुंह में खट्टा स्वाद– एसिडिटी के कारण मुंह में खट्टा स्वाद आ सकता है।

एसिडिटी से तुरंत राहत पाने के लिए घरेलू नुस्खे

ठंडा दूध– ठंडा दूध पेट में एसिड को बेअसर करता है और एसिडिटी से तुरंत राहत दिलाता है। इसे पीने से पेट की जलन कम होती है।

अजवाइन– अजवाइन में थाइमोल नामक यौगिक पाया जाता है, जो पाचन में मदद करता है और एसिडिटी को कम करता है। आप अजवाइन को चबाकर या पानी में उबालकर पी सकते हैं।

तुलसीरू तुलसी के पत्तों में शांत करने वाले गुण होते हैं, जो पेट की जलन को कम करने में मदद करते हैं। आप तुलसी के कुछ पत्तों को चबा सकते हैं या तुलसी की चाय पी सकते हैं।

सौंफ– सौंफ पाचन क्रिया को बढ़ावा देती है और एसिडिटी को कम करती है। आप इसे चबा सकते हैं या इसे पानी में उबालकर पी सकते हैं।

जीरा– जीरा एसिडिटी को कम करने में मदद करता है और पेट में एसिड को बेअसर करता है। आप इसे चबाकर या पानी में उबालकर पी सकते हैं।

अदरक– अदरक में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पेट की जलन को कम करते हैं। आप अदरक को चबा सकते हैं या अदरक की चाय पी सकते हैं।

नारियल पानी– नारियल पानी पेट में एसिड को बेअसर करने में मदद करता है, क्योंकि इसमें इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं जो शरीर को ठंडा रखते हैं।

केला– केला एक प्राकृतिक एंटासिड के रूप में काम करता है। यह पेट में एसिड को बेअसर करता है और जलन को कम करता है।

दही– दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो पाचन तंत्र को संतुलित रखते हैं और एसिडिटी से राहत दिलाते हैं।

एसिडिटी से बचने के लिए सुझाव

नियमित रूप से छोटे भोजन करें– दिन में छोटे–छोटे भोजन करना एसिडिटी को रोकने में मदद करता है।

तेल और मसालेदार भोजन से बचें– तेल और मसालेदार खाने से एसिडिटी बढ़ सकती है, इसलिए इससे बचने की कोशिश करें।

फास्ट फूड और जंक फूड से बचें– इन खाद्य पदार्थों में ज्यादा तेल और मसाले होते हैं, जो एसिडिटी को बढ़ाते हैं।

तनाव कम करें– मानसिक तनाव से बचें और योग या ध्यान जैसी तकनीकों का पालन करें।

धूम्रपान और शराब से बचेंरू धूम्रपान और शराब का सेवन पाचन को प्रभावित करता है और एसिडिटी को बढ़ाता है।

पर्याप्त नींद लें– शरीर को पूरा आराम देने के लिए पर्याप्त नींद लें ताकि आपका पाचन तंत्र सही से काम कर सके।

इन उपायों को अपनाकर आप न केवल तुरंत राहत पा सकते हैं, बल्कि अपने पाचन तंत्र को भी स्वस्थ रख सकते हैं। यदि समस्या अधिक बढ़े तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

बच्चे को हार्ट अटैक आने के 5 संकेत, दिखे तो तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं

हार्ट अटैक के मामले इन दिनों काफी ज्यादा सुनने को मिल रहे हैं, जिसमें बच्चे भी शामिल है लेकिन छोटे व टीएन बच्चे हार्ट अटैक के शिकार क्यों हो रहे हैं। कुछ दिनों पहले महाराष्ट्र में 14 साल के बच्चे को हार्ट अटैक आ गया वो भी उस समय जब वह स्कूल ट्रिप के दौरान पार्क में था। जानकारी के मुताबिक, बच्चे को अचानक सीने में दर्द, बैचेनी हुई और वह गिर पड़ा। ऐसे और भी बहुत सारे मामले सामने आए हैं लेकिन यहां सवाल यह है कि बच्चों को अब हार्ट अटैक क्यों आ रहा है।

बच्चों में दिखने वाले हार्ट अटैक के लक्षण

बच्चे को सीने में भारीपन–दर्द महसूस हो रहा हो तो नजर अंदाज ना करें। फिजिकल एक्टिविटी के दौरान दर्द महसूस हो तो तुरंत डॉक्टरी संपर्क करे क्योंकि कुछ लोग इसे गैस का दर्द समझ कर लापरवाही बरत देते हैं।

हार्ट अटैक होने का कारण, छोटे बच्चों में होंठों के आस–पास नीले निशान होना। बच्चे के होंठ, उंगलियां और त्वचा नीली पड़ रही है ऐसा तब होता है जब दिल सही मात्रा में ब्लड पंप नहीं कर पाता है, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की कमी महसूस होती है। बिना किसी कारण के बच्चा कमजोरी महसूस होना, चक्कर आना और बेहोशी छाना, दिल की धड़कन बढ़ती है तो यह भी दिल से जुड़ी गंभीर समस्या की तरफ इशारा करता है। बच्चे को सांस लेने में तकलीफ होना या कुछ देर चलते पर ही सांस फूलने लगना। हल्की–फुल्की एक्सरसाइज करने पर ही या सीढ़ियां चढ़ते–चढ़ते ही हांफने लगे।फिजिकल एक्टिविटी के दौरान पसीने से भीग जाता है और उल्टी हो रही है तो आपको सतर्क होने की जरूरत है। उसे छाती में दर्द, सांस लेने में मुश्किल हो रही हो तो यह हार्ट प्रॉब्लम्स की और इशारा करता है हालांकि ये लक्षण खून की कमी के भी हो सकते है लेकिन चेकअप करवाना जरूरी है।

छोटी उम्र में हार्ट अटैक आने के कारण

छोटी उम्र में हार्ट अटैक आने के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। खराब लाइफस्टाइल, तनाव,अनहेल्दी फूड्स। एक्सपर्ट की मानें तो ऐसा होने का

कोई एक स्टीक कारण बता पाना मुश्किल है हालांकि इसकी वजह खराब लाइफस्टाइल को माना जा सकता है। बच्चों का खान–पान लगातार खराब अनहैल्दी होता जा रहा है और फिजिकल एक्टिविटी ना के बराबर। बॉडी एक्टिविटी में कमी होने से भी हार्ट अटैक का जोखिम बढ़ता है।

मोबाइल, टीवी और ऑनलाइन क्लासेज में धंसे बच्चों की फिजिकल एक्टिविटी ना के बराबर हो गई है जिसके चलते मोटापा, कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज जैसी प्रॉब्लम बचपन में ही चपेट में ले रही हैं और यहीं समस्या हार्ट अटैक के जोखिम को बढ़ा रही है। मोटापा की वजह से दिल के रोगों का खतरा अधिक रहता है।

जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड

खान–पान में वेस्टर्न कल्चर फॉलो होना भी हार्ट अटैक के जोखिम को बढ़ा रहा है। जंक, फास्ट और प्रोसेस्ड फूड का सेवन बच्चे अधिक कर रहे हैं। इनमें ट्रांस फैट, बहुत ज्यादा शुगर और नम होता है जो दिल की धमनियों को कमजोर करते हैं और यह हार्ट अटैक जोखिम बढ़ाता है। हार्ट अटैक से बचाव के लिए बच्चों की जीवन शैली और खान–पान पर खास ध्यान देना जरूरी है। नियमित रूप में उनकी डाइट में संतुलित और पोषण आहार शामिल होना जरूरी है। शारीरिक गतिविधियों और व्यायाम में शामिल करें।

हृदय रोग विशेषज्ञ कार्डियोलोजिस्ट डॉक्टर के मुताबिक, अगर बच्चे को घबराहट हो रही है, सांस तेजी से फूल रहा है, पल्स तेजी से बढ़ रही है या फिर बच्चे को चक्कर आ रहे हैं तो उसकी तुरंत मेडिकल जांच कराएं। बच्चों में होने वाली ये परेशानी हार्ट अटैक के लक्षण हो सकते हैं। कुछ एक्सपर्ट की मानें तो कोविड के बाद बच्चों में हार्ट अटैक के मामले तेजी से सुनने को मिल रहे हैं।

बच्चों में हार्ट अटैक को कैसे कंट्रोल करें

पेरेंट्स सबसे पहले तो दिखने वाले लक्षणों को तुरंत समझें और डॉक्टरी जांच करवाएं। बच्चा घबराहट महसूस कर रहा है, चलने में सांस ज्याद फूल रही है तो तुरंत मेडिकल जांच कराएं।

जन्म के समय ही बच्चे के दिल की जांच कराएं।

खान–पान हैल्दी रखें और मोटापा कंट्रोल।

फिजिकल एक्टिविटी जरूर करवाएं। आउटडोर गेम्स, सैर, योग जैसी एक्टिविटी करवाएं।

स्वस्थ हृदय के लिए बच्चों की डाइट में क्या शामिल करें?

बचपन से ही हृदय को स्वस्थ बनाए रखना बहुत जरूरी है। एक संतुलित आहार न केवल बच्चे के संपूर्ण विकास में सहायक होता है बल्कि हृदय रोगों के जोखिम को भी कम करता है। बच्चों के दिल को मजबूत और सेहतमंद बनाए रखने के लिए उनके आहार में ये चीजें जरूर शामिल करें।

ड्रोन के इस्तेमाल के लिए कौशल जरूरी – प्रो. वंदना सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।।इंस्टीट्यूट ऑफ ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च , गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा संस्थान–उद्योग इंटरफेस के तहत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ड्रोन जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के सहयोग से संपन्न हुआ । उद्घाटन एवं अभिमुखीकरण सत्र में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि आज तकनीकी के इस युग में ड्रोन का उपयोग बढ़ता जा रहा है. इसके बेहतर इस्तेमाल के लिए नए कौशल की आवश्यकता है. इसमें रोजगार के अवसर भी बढे है. प्रथम सत्र का प्रशिक्षण विजय तांबे द्वारा प्रदान किया गया। उन्होंने ड्रोन टेक्नोलॉजी की बढ़ती मांग, इसके अनुप्रयोगों तथा उद्योग जगत में इसके बढ़ते प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को ड्रोन संचालन, निर्माण, मेंटेनेंस, एविएशन नियमों तथा औद्योगिक उपयोग से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी । प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को थ्योरी के साथ–साथ प्रायोगिक सत्रों में भी भाग लेने का अवसर मिला । उन्होंने कहा कि ड्रोन टेक्नोलॉजी आज विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, रक्षा, आपदा प्रबंधन, सर्वेक्षण, लॉजिस्टिक्स, और सिनेमैटोग्राफी में तेजी से अपनी जगह बना रही है। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को इन संभावनाओं से अवगत कराते हुए करियर के नए आयाम खोलने का प्रयास किया जा रहा है । कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. अविनाश डी. पाथर्डिकर ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितेश जायसवाल ने किया. कार्यक्रम में प्रो. मानस पांडे, प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. सौरभ पाल, डॉ आलोक दास , श्याम त्रिपाठी एवं मुख्य छात्र सदस्य आदित्य पांडेय, दिव्यांशु संजय, रुद्रांश चतुर्वेदी, शिवांश श्रीवास्तव, हरी ओम साहू, आर्यन पाण्डेय, आयुष गुप्ता समेत कई छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

टी.बी. मरीजों को इलाज के दौरान किसी भी दिन दवाई का गैप नहीं होना चाहिए- सलिल कुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरजू प्रसाद शैक्षिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था जज कॉलोनी जौनपुर द्वारा प्रधानमंत्री टी. बी. मुक्त भारत अभियान के तहत पौष्टिक आहार किट गोद लिए टी. बी. मरीजों को वितरित किया गया साथ ही जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर अतिथियों द्वारा शुभारंभ किया गया । मुख्य अतिथि मुख्य वक्ता जिला टी.बी. समन्वयक सलिल कुमार यादव ने कहा कि संस्था लंबे समय से निक्षय मित्र के रूप में पंजीकृत है । टी.बी. मरीजों को इलाज के दौरान किसी भी दिन दवाई का गैप नहीं होना चाहिए। ऐसा न हो कि आप दवा भूल गए ,कल दवा भूल गए बीच में छोड़– छोड़ कर दवा खाएंगे तो यह रोग और गंभीर हो जाएगा दवा नहीं छोड़ना है यदि दवा करने के दौरान किसी भी तरह की तकलीफ महसूस हो रही है या दवा रिएक्शन कर रहा है तो तुरंत आकर अपने डॉक्टर साहब से मिलना पड़ेगा । इसका दो महीने पर पहली जांच होती है एक हम लोग फॉलोअप करके देखते हैं की दवा फायदा कर रही है कि नहीं ।और अगले दो साल तक जब तक इलाज खत्म नहीं हो जाता तो उसके बाद भी हम लोग जांच करते हैं और यह पता लगते हैं कि आप कंप्लीट ठीक हो गए कि नहीं । 6 महीने तक और फॉलो अप किया जाता है ताकि आने वाले समय में फिर से टी.बी.जैसी बीमारी आपको न हो आपको मेटा सुपरविजन में रहना है ।और पोषण को अच्छा रखना है क्योंकि अच्छे पोषण सामग्री सेवन से टी.बी. मरीज जल्दी स्वस्थ हो जाते हैं संस्था पोषण सामग्री वितरण करने में मरीजों को हमेशा बढ़–चढ़ कर साझेदारी की है इसके लिए जितनी सराहना की जाए कम है ।अध्यक्षता करते हुए डॉक्टर दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि संस्था द्वारा टीवी मरीजों का सबसे अच्छा फॉलो अप किया जा रहा है जो अत्यंत सराहनीय है। संस्था लंबे समय से टी.बी. मरीजों पर काम कर रही है। कार्यक्रम का संचालन प्रधान अध्यापक प्रमोद कुमार प्रजापति ने किया।

उक्त अवसर पर प्रधान अध्यापक सुभाष सरोज ठाकुर प्रसाद राय सागर श्रीवास्तव अमन श्रीवास्तव धर्मेंद्र श्रीवास्तवअनिल कुमार गुप्ता नवीन सिंह डॉक्टर सुशील अग्रहरी जय देवी पांडेय सावित्री गौतम दीपा रमाशंकर चिंता देवी आशीष श्रीवास्तव

गिरीश चंद्र मोनू अखिलेश इत्यादि लोग उपस्थित थे। अंत में कार्यक्रम संयोजक पूर्व अध्यक्ष चाइल्ड वेलफेयर कमेटी संजय उपाध्याय ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ ने निकाला विजय जुलूस

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। जवाहर भवन–इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ के चुनाव परिणाम के बाद नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने विजय जुलूस निकालकर खुशियां मनाईं। ढोल–नगाड़े के साथ परिसर में निकले जुलूस में बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल रहे। एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी गई। जुलूस का नेतृत्व लगातार 13वीं बार अध्यक्ष बने सतीश कुमार पाण्डेय ने किया जिसमें महामंत्री रामकुमार धानुक समेत सभी विजयी प्रत्याशी शामिल हुए। परिणाम पूरी रात चली मतगणना के बाद घोषित किया गया। इसके बाद विजयी पदाधिकारियों ने ढोल–नगाड़ों और फूल–मालाओं के साथ विजय जुलूस निकाला। चुनाव अधिकारी डीके मिश्रा ने बताया कि अध्यक्ष पद पर सतीश कुमार पाण्डेय निर्विरोध निर्वाचित हुए। महामंत्री पद पर राम कुमार धानुक ने 1218 मतों से जीत दर्ज की उनके प्रतिद्वंद्वी सुशील कुमार बच्चा को 629 मत मिले। उपाध्यक्ष महिला पद पर दिव्या रानी निर्विरोध चुनी गईं जबकि उपाध्यक्ष पद पर उमंग निगम (1093), संजय शुक्ला (1041), अमित कुमार शुक्ला (894) और आकिल सईद बबलू (865) ने जीत हासिल की। वहीं अमित खरे

और विजय कुमार अवस्थी को मनोनीत कर उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। मंत्री महिला आरक्षित पद पर श्रीमती श्वेता उपाध्याय निर्विरोध चुनी गईं, जबकि अन्य मंत्री पदों पर जलीस खान (1214), अभिनव त्रिपाठी (897), अजय कुमार (811), राम बदल दुबे (843) और हेमंत कुमार (846) निर्वाचित हुए, वहीं हरि ओम पाण्डेय, राकेश कुमार और जगत नारायण सिंह को मनोनीत किया गया। संगठन मंत्री पद पर रघुराज सिंह, अमन कुमार, अंकुर सिन्हा, दिनेश कुमार सिंह और नियाजुद्दीन निर्विरोध चुने गए, जबकि अली हैदर को मनोनीत संगठन मंत्री बनाया गया। प्रचार मंत्री पद पर आशीष कुमार त्रिपाठी, मोहम्मद रफीक खान, निर्मल शुक्ला, राजेश कुमार और सत्यदेव मिश्र निर्विरोध निर्वाचित हुए, जबकि शफीकुर्रहमान अंसारी और रामेंद्र मिश्र को मनोनीत किया गया। संजीव कुमार सक्सेना को कोषाध्यक्ष और अनुराग सिंह को संप्रेक्षक पद पर निर्विरोध चुना गया। वहीं वरिष्ठ कर्मचारी नेता जफर सईद किदवई को महासंघ का संरक्षक और रिजवान अंसारी को सहायक कार्यालय सचिव मनोनीत किया गया। विजय जुलूस के दौरान सतीश कुमार पाण्डेय ने कर्मचारी हितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और आश्वासन दिया कि महासंघ कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी रूप से कार्य करेगा। पूरे परिसर में जश्न का माहौल बना रहा। समर्थकों ने विजयी प्रत्याशियों का जोरदार स्वागत किया।

विजेता टीम को प्रभारी आईजी पीएसी पूर्वी जोन प्रयागराज डॉ मिश्र ने पदक देकर किया सम्मानित

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। मीडिया सेल 34 वीं वाहिनी पीएसी, भुल्लनपुर वाराणसी के मुताबिक 34 वी वाहिनी पीएसी भुल्लनपुर वाराणसी मे 27 फरवरी से 02 मार्च तक आयोजित 29 वीं वाहिनी पीएसी पूर्वी जोन एथलेटिक्स (एथलेटिक्स व साइकलिंग) प्रतियोगिता 2025 का भव्य समापन समारोह 34वीं वाहिनी पीएसी, वाराणसी के परेड ग्राउंड में संपन्न हुआ।समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी आईजी पीएसी पूर्वी जोन प्रयागराज डॉ राजीव नारायण मिश्र रहे।29वीं अंतर वाहिनी पीएसी पूर्वी जोन एथलेटिक्स (एथलेटिक्स व साइकलिंग) प्रतियोगिता 2025 में 36वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी विजय होकर ट्रॉफी पर कब्जा किया।जबकि 12वीं वाहिनी पीएसी फतेहपुर ने द्वितीय तथा 34वीं वाहिनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।इसके अलावा साइकिलिंग प्रतियोगिता में 34वीं वाहिनी प्रथम एवं 12वीं वाहिनी द्वितीय स्थान पर रही।सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि डॉक्टर मिश्र ने पदकों से नवाजा।इस मौके पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ मिश्र ने कहा कि खेल से शारीरिक मानसिक का विकास होता है।खेल से अनुशासन की भावना का भी विकास होता है।कहा कि खेल अनुशासन का एक हिस्सा है।चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में पीएसी पूर्वी जोन के लगभग 240 खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।समारोह के प्रारंभ में मुख्य अतिथि ने समस्त वाहिनी के वाहिनी टीम मैनेजर्सश से परिचय प्राप्त किया।श्नीट आफ मार्शलश द्वारा समस्त टीमों के साथ मुख्य अतिथि का अभिवादन किया गया। टीमों के अभिवादन को मुख्य अतिथि द्वारा मंच से स्वीकार किया गया।इस मौके पर प्रतिभागियों के इस अच्छे प्रदर्शन का दर्शकों द्वारा ताली बजाकर स्वागत किया गया।मुख्य अतिथि द्वारा मंच से इस प्रतियोगिता के समापन की घोषणा की गयी व समारोह मे उनके अलावा सेनानायक पंकज कुमार पांडेय ने प्रतिभागियों के खेल भावनाओं की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथिध्आयोजन सचिव प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक पीएसी पूर्वी जोन डॉ राजीव नारायण मिश्र, आयोजन सचिवध्सेनानायक पंकज कुमार पांडेय ने संयुक्त रुप से विजेता खिलाड़ियों व विजयी वाहिनी को शील्ड, श्ट्रॉफी' एवं अन्य पुरस्कार प्रदान किये।अंत में आयोजन सचिव पंकज कुमार पाण्डेय सेनानायक 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी द्वारा इस प्रतियोगिता को सकुशल संपन्न कराने में अपना उत्कृष्ट योगदान देने वाले समस्त निर्णायक मंडल, तकनीकी समिति, एवं व्यवस्थापकों का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया गया।इस मौके पर सहायक सेनानायक नरेश सिंह यादव,सहायक सेनानायक मो0 फाजिल सिद्दीकी,शिविरपाल अजय प्रताप सिंह,सहायक शिविर पाल मुन्नी लाल यादव,दलनायक दल बदन यादव, सूबेदार सैन्य सहायक श्री मुक्तार यादव व अन्य अधिकारीध्कर्मचारी,बड़ी संख्या में खेल से जुड़े खिलाड़ी व अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

सेंट्रल जोन पावर लिफ्टिंग चौंपियनशिप सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।पाण्डेय लॉन पारा में सेन्ट्रल जोन पावर लिफ्टिंग चौम्पियनशिप का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन जीएस तिवारी गुरु जी ने किया इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभावान खिलाड़ियों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं प्रतियोगिता में 200 खिलाडियों ने (बालक और बालिका)भाग लिया। जिसमे अलग अलग भार वर्गो मे कई खिलाडी चौम्पियन हुए। और पुरुष वर्ग मे नवजोत सिंह को स्ट्रांग मैन का पुरस्कार प्रदान किया गया। और महिला वर्ग मे साधना मिश्रा को स्ट्रांग वूमेन का पुरस्कार प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता के आयोजन में उत्तर प्रदेश पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के पदाधिकारी जीएस तिवारी, शैलेंद्र श्रीवास्तव, नरेश बहादुरश्रीवास्तव, अरविंद कुशवाहा, शत्रुघ्न लाल, मनन कपूर एवं हिमांशु तिवारी ने सहयोग कर महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रतियोगिता के दौरान बालक वर्ग में मयंक नवजोत सिंह, गौतम, आदित्य, हर्ष तथा आनंद एवं बालिका वर्ग में हनी ,शगुन, साधना मिश्रा,वर्षा,, आराध्या एवं निशा ने अपने वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक प्राप्त किया।

विश्व शांति केंद्र के उदघाटन का मंच संचालन कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी ने किया - खोसला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विश्व शांति केंद्र , सेक्टर 39 , गुड़गांव – आज यहाँ विश्व शांति केंद्र का उदघाटन किया गया द्य विश्व शांति केंद्र की स्थापना पूज्य आचार्य लोकेश जी द्वारा 2015 मे की गई जिसका उदघाटन आज हुआ और जिसका उदेश्य शांति शिक्षा प्रसारित करना है। विश्व शांति केंद्र के उदघाटन अवसर पर निम्नलिखित अतिथि गण उपस्थित रहे रू। 1.भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री राम विश्व शांति केंद्र के उदघाटन का मंच संचालन कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी ने किया। विश्व शांति केंद्र , सेक्टर 39 , गुड़गांव – आज यहाँ विश्व शांति केंद्र का उदघाटन किया गया द्य विश्व शांति केंद्र की स्थापना पूज्य आचार्य लोकेश जी द्वारा 2015 मे की गई जिसका उदघाटन आज हुआ और जिसका उदेश्य शांति शिक्षा प्रसारित करना है । विश्व शांति केंद्र के उदघाटन अवसर पर निम्नलिखित अतिथि गण उपस्थित रहे ।

1.भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द

2.पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद्र कटारिया

3.हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

4.विश्व विख्यात श्री श्री रवि शंकर जी

5.विश्व विख्यात कथा वाचक मोरारी बापू जी

6.बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान

7.उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या

8.स्वामी गोविंद देव गिरि जी

9.अनेकों अनेकों उधोगपति , व्यापारी , विदेशो से आए सम्मानित व्यक्ति , राष्ट्रीय सैनिक संस्था के सदस्य

अहिंसा विश्व भारती और विश्व शांति केंद्र के संस्थापक आचार्य लोकेश जी ने सभी का स्वागत किया और विश्व शांति केंद्र मे आर्थिक सहयोग देने वाले लोगों को धन्यवाद दिया द्य यहाँ भारत को विश्व गुरु बनाने वाले तरह तरह के कार्यक्रमों को आयोजित करने का संकल्प भी लिया गया।

राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी ने मंच संचालन किया और धर्म गुरुओ से सवाल भी किया की वो व्यक्तिगत चरित्र और राष्ट्रीय चरित्र का फर्क अपने प्रवचनो मे शामिल करें द्य उन्होने हरियाणा के मुख्यमंत्री को स्कूलो मे " जय हिन्द " बोलने के निर्णय का स्वागत किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सैनिक संस्था की राष्ट्रीय आर्थिक काउंसिल के चेयरमेन राजन छिबबर , मेजर जनरल रंजीत सिंह , कमोडोर विजय बबेले, गाजियाबाद इकाई के मीडिया प्रभारी गौरव बंसल , कर्नल के के एस माकेन , गौरव सेनानी ज्ञान सिंह , गौरव सेनानी चन्दन सिंह , गौरव सेनानी डी के दास , गौरव सेनानी गणेश दत्त , एन सी आर के संयोजक राजीव खोसला , भूषण कुमार जैन, निखिल खोसला , त्रिवेणी जड़ायूं , हरियाणा के युवा विंग के अध्यक्ष नवीन जय हिन्द , गाजियाबाद की महिला विंग की कर्मठ प्रतिनिधि नीलम त्यागी ,˘ की नीलम गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

मेरे जिंदा रहने तक कोई नहीं होगा उत्तराधिकारी – मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में कभी राज करने वाली बसपा में आज घमासान चल रहा है। रविवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ा फैसला सुनाया। उन्होंने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया। आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ के निष्कासन के बाद उनका यह दूसरा बड़ा फैसला है। वहीं आकाश के भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को बड़ी जिम्मेदारी दी। दोनों को नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया गया है। इस मौके पर मायावती ने कहा कि अब मेरे जिंदा रहने तक कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। पार्टी और मूवमेंट के हित में रिश्ते नातों का कोई महत्व नहीं है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि अब मैंने खुद भी यह फैसला लिया है कि मेरे जीते जी व मेरी आखिरी सांस तक भी अब पार्टी में मेरा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं होगा। जिस फैसले का पार्टी के लोगों ने दिल से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए पार्टी व मूवमेन्ट पहले है। भाई–बहन व उनके बच्चे तथा अन्य रिश्ते नाते आदि सभी बाद में हैं। मायावती ने कहा कि आनन्द कुमार के बारे में मैं यह भी अवगत कराना चाहती हूं कि वर्तमान में बदले हुए हालात में, पार्टी व मूवमेन्ट के हित में अब इन्होंने अपने बच्चो का रिश्ता भी गैर–राजनैतिक परिवार के साथ ही जोड़ने का फैसला लिया है ताकि अशोक सिद्धार्थ की तरह अब आगे कभी भी अपनी पार्टी को किसी भी प्रकार से कोई नुकसान आदि ना हो सके। मायावती ने कहा कि आनन्द कुमार के बारे में मैं यह भी अवगत कराना चाहती हूं कि वर्तमान में बदले हुए हालात में, पार्टी व मूवमेन्ट के हित में अब इन्होंने अपने बच्चो का रिश्ता भी गैर–राजनैतिक परिवार के साथ ही जोड़ने का फैसला लिया है ताकि अशोक सिद्धार्थ की तरह अब आगे कभी भी अपनी पार्टी को किसी भी प्रकार से कोई नुकसान आदि ना हो सके। मायावती ने कहा कि अशोक सिद्धार्थ को, जो आकाश आनन्द के ससुर भी है, उसे अब पार्टी व मूवमेन्ट के हित में पार्टी से निकाल कर बाहर किया है जिसने उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में पार्टी को दो गुटों में बांटकर इसे कमजोर करने का घिनौना कार्य किया है, जो कतई बर्दाश्त करने लायक नहीं है। यह सब उनकी लड़के की शादी में भी देखने के लिए मिला है। जहां तक इस मामले में आकाश आनन्द का सवाल है तो आपको यह मालूम है कि अशोक सिद्धार्थ की लड़की के साथ इनकी शादी हुई है। अब अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकालने के बाद उस लड़की पर अपने पिता का कितना प्रभाव पड़ता है।

मिशनरियों का मिशन मुस्लिम : कुंडली खंगाल सीधे संस्कार पर करते चोट

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में मिशनरियों के मिशन मुस्लिम में बात सिर्फ धर्मांतरण तक ही सीमित नहीं है। परिवार की कुंडली खंगाल सीधे संस्कार पर चोट की जा रही है। इसके लिए आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से उपेक्षित मुस्लिम परिवारों का विवरण जुटाया गया है। अवध क्षेत्र के सीतापुर, अंबेडकरनगर व अयोध्या में केरल व झारखंड की तरह विपन्न मुस्लिम परिवारों के धर्मांतरण के लिए मिशनरियां महिलाओं के बीच पैठ बना रही हैं। बात शिक्षा, स्वास्थ्य और नौकरी से होते हुए पूजा पद्धति में बदलाव तक पहुंच रही है। सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट बताती है कि मिशनरियों का मिशन मुस्लिम एक दिन का प्रयास नहीं है। इसके लिए उन्होंने बकायदा रणनीति तैयार की है। चरणवार काम कर रहे हैं। पहला चरण संबंधित परिवार के आर्थिक व सामाजिक स्तर का अध्ययन होता है। इसके बाद देखा जाता है कि

परिवार में कोई गंभीर बीमार तो नहीं है। पूरे विवरण और अध्ययन के बाद मिशनरी का एक सदस्य परिवार के पास सामान्य रूप से पहुंचता है। ईशु की महिमा का बखान होता है...

अब शुरू होता है दूसरा चरण। वह मानवीय स्तर पर संबंधित परिवार से जुड़ने की कोशिश करता है। इसमें छह महीने से एक वर्ष तक का समय लग जाता है। तीसरे चरण की शुरुआत होम प्रेयर (प्रार्थना) से होती है। पांचवें चरण में परिवार की आर्थिक रूप से मदद की जाती है। इलाज में सहयोग किया जाता है। इलाज को चमत्कार बताते हुए ईशु की महिमा का बखान होता है।

...और संस्कृति से आस्था अलग

आईबी के पूर्व अधिकारी संतोष सिंह बताते हैं कि धर्मांतरण का सबसे अहम छठा चरण है। इसी में संस्कृति और आस्था को अलग किया जाता है। यह क्रम पूजा पद्धति में बदलाव के रूप में सामने आता है। संबंधित व्यक्ति न नाम बदलता है ।

वीआईपी दर्शन पास के नाम पर पैसा ऐंठने वाले तीन गिरफ्तार

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार ।अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर की पुलिस चौकी पुलिस ने राम गुलेला बैरियर से तीन लोगों को पकड़ा है। आरोप है कि यह श्रद्धालुओं को वीआईपी दर्शन का पास उपलब्ध कराने के नाम पर धन उगाही करते हैं। तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर चालान कर दिया गया है। 28 फरवरी को राम गुलेला बैरियर पर तैनात मुख्य आरक्षी राशिद ने पुलिस को सूचना दी कि कुछ व्यक्ति श्रद्धालुओं से पैसा लेकर उन्हें वीआईपी दर्शन पास दिलाने का झांसा दे रहे हैं। सूचना पर जब राम मंदिर परिसर चौकी प्रभारी सुनील कुमार मौके पर पहुंचे तो तीनों ने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उनकी पहचान शैलेंद्र सिंह व बृजवासी निवासी धौलपुर राजस्थान व संदीप निवासी अज्ञात के रूप में हुई। चौकी३

योगी सरकार की पुलिस प्रशासन ने सराहनीय कार्य किया, मंडप में बैठकर करवाई शादी

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार। जनपद बस्ती थाना सोनहा क्षेत्र में बीती रात आये हुए बारातियों पर हमला कर भगाने की कोशिश पूरी नाकाम रही जिसमें इंस्पेक्टर मोतीचंद ने कार्रवाई कर एक गरीब परिवार की लड़की की शादी मंडप में बैठकर खुद करवाई प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्याधर पाठक पुन अष्टभुजा पाठक ग्राम व पो० भानपुर रानी थाना भवानीगंज जनपद सिद्धार्थनगर का निवासी है जो अपने दोस्त की शादी में ग्राम रहेना थाना भवानीगंज सि० नगर से सिसवा बरूवार थाना सोनहा जनपद बस्ती के शादी में गया था जो कि गाड़ी पार्क करते समय कुवर सिंह अन् दिवार नितीन, अरुण, सूरज पुतगण अजात अपने साथियों सहित गाली गलौच करते हुए लोहे की राड, लाठी–डण्डों से हमला कर दिया और गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। विद्याधर पाठक को सर में गम्भीर चोट आयी है। जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से रिफर कर कहर जिला अस्पताल बस्ती के लिए भेजा गया जिसका इलाज अभी चल रहा है। मामले को सोनहा थाना पर जानकारी मिलते ही इंस्पेक्टर ने मामले को गंभीर रूप से लेते हुए काबू किया और रात में मंडप में बैठकर शादी करवाई।

भिडीं व खरबूज की खेती समय से पहले करने से किसान की आय होगी दोगुनी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 03 मार्च, जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि गर्मियों में भिंडी की फसल लेने वाले किसानों के लिए फरवरी से मार्च का समय बुवाई के लिए अनुकूल है। जनपद में निदेशालय से आवंटित बीज यथा– काशी प्रगति, काशी क्रान्ति, और काशी चमन प्रजाति के 128 किलो ग्राम एवं खरबूज पूसा, मधुरिमा 2 किलो ग्राम बीज जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में बीज उपलब्ध है। कृषि वैज्ञानिकां के अनुसार 01 हे0 खेत की तैयारी के लिए 40–50 कुन्तल सड़ी गोबर की खाद, 50 किलोग्राम एन0पी0के0 16 एम0ओ0पी0 और 16 किलोग्राम यूरियां का प्रयोग करे एवं बोने के 15–20 दिन बाद सब्जी की प्रथम निराई–गुड़ाई करना फायदेमन्द रहता हैं, भिड़ी बुवाई के लिए कतार से कतार की दूरी 25–30 से0मी0 एवं कतार में पौधे से पौधे के मध्य दूरी 15 से 20 से0मी0 रखनी चाहिये। बीज की 2 से 3 से0मी0 गहरी बुवाई करनी चाहिये। बुवाई के पूर्व भिंड़ी के बीजो को 3 ग्राम मेन्कोजेब, कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीज की दर उपचारित करना चाहिये। पूरे खेत को उचित आकार की पंक्तियो में बांट ले एवं मलचिंग कर के ड्रिप विधि द्वारा सिंचाई करने सें अधिक लाभ होगा। जिससे किसान भाई भिड़ी की खेती कर के अधिक से अधिक आय अर्जित कर सकते है तथा इच्छुक किसान किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय आ कर बीज प्राप्त कर सकते है। योजना प्रभारी जसपालसिंह ने बताया कि जनपद में भिण्डी का 128 किलोग्राम एंव खरबूज 2 किग्रा0 का बीज मुख्यालय पर उपलब्ध है। इच्छुक कृषक नकद मूल्य पर बीज प्राप्त कर सकते है।

रीडगंज – देवकाली संपर्क मार्ग पर स्थित ओवर ब्रिज पर शाम होते ही हो जाता है अधेंरा

अयोध्या। शहर के रीडगंज देवकाली संपर्क मार्ग पर स्थित ओवर ब्रिज पर लगी लाइट शोपीस बनी हुई है।शाम ढलते ही इस ओवर ब्रिज पर अंधेरा छा जाता है। जिसके चलते इधर से गुजरने वाले राहगीर आए दिन सड़क हादसे का शिकार होते रहते हैं।देखा जाए शाम होते ही स्कूल पर कर के चक्कर भी सक्रिय होकर कोई ना कोई वारदात भी करते रहते हैं।बताते चलें इस ओवर ब्रिज के आसपास कई हॉस्पिटल, शॉपिंग कांपलेक्स, क्लीनिक, दुकान आदि प्रमुख प्रतिष्ठान स्थित है।वही इस ओवर ब्रिज से सुबह से ही देर शाम तक भारी संख्या में लोगों का आवाजाही ही लगा रहता है। बताते चले इधर इस पुल पर स्थित लाइट काफी दिनों से नहीं जल रही है जिसके चलते शाम होते ही इस ओवर ब्रिज पर अंधेरा हो जाता है। जिसके चलते जहां एक ओर आए दिन स्कूल पर कई सड़क हादसे भी होते रहते हैं। वही दूसरी ओर चोर उचक्के अंधेरे का लाभ लेते हुए इधर से गुजरने वाले राहगीरो के साथ लूट, छिनैती सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देते हैं।वही इस पुल पर सक्रिय अराजक तत्वों से इधर से गुजरने वाली महिलाए व लडकिया अपने को असुरक्षित नहीं मान रही है।परंतु इस गंभीर समस्या पर इससे संबंधित विभाग ध्यान नहीं दे रहा है।जिसके चलते इधर से गुजरने वाले राहगीरो व लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

पत्रकार शिवकुमार यादव के 36 वर्षीय भाभी पूनम यादव की सड़क दुर्घटना में हुई मौत,शादी की खुशी बदली गम में

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बीकापुर कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भावापुर मजरा गजड़ी की निवासी 36 वर्षीय पूनम यादव पत्नी धर्मराज यादव की अयोध्या प्रयागराज हाइवे भरतकुंड पर ट्रक चपेट में आने से रविवार को मौत हो गई।दुर्घटना के बाद शादी की खुशियां गम में तब्दील हो गयी।पत्रकार शिवकुमार यादव की शादी थी जिनकी बारात इनायत नगर थाना क्षेत्र के भिटारी मजरा बनैकापुर गई हुई थी।रविवार सुबह लडकी के विदाई की तैयारी चल रही थी।इधर पत्रकार शिवकुमार के भाभी की मौत हो चुकी है।मृतक पूनम यादव किसी काम के लिए सुबह घर से भदरसा बाजार के लिए निकली थी।भरत कुण्ड पहुंचने पर ट्रक की चपेट में आने से इनकी मौत गयी।घटना की वक्त वह अकेली थी।इसलिए घटना के समय उसकी लाश की पहचान नहीं हो सकी।पूराकलंदर पुलिस ने उन्हें जिला चिकित्सालय स्थित मर्करी हाउस में शिनाख्त के लिए रख दिया।घटना की सूचना मिलने ही परिजनों एवं मौजूद रिश्तेदारों में मातम छा गया।लाश का पोस्टमार्टम होने के बाद देर रात्रि भरतकुंड पर दाह संस्कार कर दिया गया।वही शादी के बाद सोमवार को आयोजित प्रीतिभोज कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया।

युवक की गैर इरादतन हत्या के मामले में तीन आरोपियो की हुए गिरफ्तारी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के बहिउद्दीनपुर निवासी युवक की हुई हत्या के मामले में कोतवाली पुलिस द्वारा प्रकाश में आए तीन आरोपियों को गिरफ्तार करके रविवार को चलान करके न्यायालय भेजा है।जबकि युवक की हत्या के मामले में नामजद तीन आरोपियों ने एक दिन पहले शनिवार को न्यायालय में आत्म समर्पण कर दिया था।प्रभारी निरीक्षक लालचंद सरोज ने बताया कि गैर इरादतन हत्या के मामले मे मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस टीम द्वारा रविवार सुबह करीब 9 बजे प्रकाश में आए आरोपी रुकनपुर निवासी विवेक कुमार, बेनीपुर निवासी अख्तर अली तथा नगर पंचायत बीकापुर के वार्ड संख्या 7 तेंदुआ माफी निवासी तामीर अहमद को कोतवाली क्षेत्र के मलेथू कनक रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों का चलान करके न्यायालय भेजा गया है। आरोप है कि कोतवाली क्षेत्र के रामपुर परेई गांव में 20 फरवरी की रात एक निमंत्रण के कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे बहिउद्दीनपुर निवासी युवक राघवेंद्र तिवारी पर हमला करके मरणासन्न कर दिया गया था।घटना के 5 दिन बाद मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर में जिंदगी मौत से जूझते हुए इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

सीमा जागरण मंच ने कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर को किया सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सीमा जागरण मंच,अवध प्रांत के संयोजन में त्रैमासिक बैठक एवं गोष्ठी का आयोजन स्थान– विश्व संवाद केंद्र(संघ भवन), जियामऊ, लखनऊ में किया गया। कार्यक्रम संयोजक –
अमरेन्द्र कुमार दीक्षित
एडवोकेट हाईकोर्ट लखनऊ रहे।सीमा जागरण मंच के कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर , अध्यक्ष अवध प्रांत , संगठन मंत्री कानपुर प्रांत,अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में युवा कार्यकर्ता, मातृशक्ति और सम्मानित गणों को राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करके आम समाज को जागृत करने और मातृभूमि की एक एक इंच भूमि की रक्षा और गयी भूमि को वापस लेने का संकल्प दिलाया। जय हिन्द, वन्दे मातरम

सेवा और समर्पण का माध्यम है एनएसएस- डॉ. अरविंद कुमार सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर का सोमवार को उद्घाटन किया गया। यह शिविर 03 मार्च से 09 मार्च 2025 तक चलेगा,। इसमें स्वयंसेवकों को समाज सेवा, नेतृत्व विकास और सामुदायिक कल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता करने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने अपने संदेश के रूप में एनएसएस के उद्देश्यों की सराहना करते हुए कहा कि ष्समाज सेवा ही सच्ची शिक्षा है। एनएसएस जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थी न केवल अपने व्यक्तित्व का विकास करते हैं, बल्कि समाज के उत्थान में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।ष्उद्घाटन सत्र के बतौर मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य, मिहरावाँ पी०जी० कॉलेज, डॉ० अरविंद कुमार सिंह, ने राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है, और यदि उन्हें सही दिशा में प्रशिक्षित किया जाए, तो वे समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। एनएसएस इसी उद्देश्य की पूर्ति करता है।"

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ० राज बहादुर यादव ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि "राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक आंदोलन है, जो युवाओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से अवगत कराता है और सेवा भाव को आत्मसात करने की प्रेरणा देता है।विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जो युवाओं को समाज सेवा, नैतिक मूल्यों और नेतृत्व क्षमता का प्रशिक्षण देती है। उन्होंने स्वयंसेवकों को सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। प्रो. रवि प्रकाश ने कहा कि एनएसएस, सेवा, अनुशासन और समर्पण का प्रतीक है, जो युवाओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और उसे निभाने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने स्वयंसेवकों को टीम वर्क, आत्मनिर्भरता और जागरूकता के महत्व को समझाते हुए कहा कि यह शिविर उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक सिद्ध होगा।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ अनुराग मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा ष्समाज सेवा के पथ पर एनएसएस का सशक्त कदम!ष सहायक आचार्य उद्देश्य सिंह ने भी स्वयंसेवको को संबोधित करते हुए कहा कि एनएसएस व्यक्तित्व विकास एक सशक्त माध्यम है। स्वयंसेवक सुमित सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में बताया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० शशिकांत यादव ने शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस सात दिवसीय शिविर में स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, साक्षरता अभियान, स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक अभिनव कीर्ति पाण्डेय ने किया धन्यवाद ज्ञापन स्वयंसेवक सुमित सिंह ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी, डॉ० विशाल यादव, डॉ० अजय कुमार मौर्य, डॉ० पी सी यादव, डॉ श्याम कन्हैया, डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव, स्वयंसेवक प्रभात तिवारी, आनन्द सिंह सहित स्वयंसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया ने प्रतिभाओं के अलंकरण में जड़े 51 मोती

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

गाजियाबाद। देश की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था 'समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया' ने आठ राज्यों की 51 प्रतिभओं का सम्मानित कर एक बार फिर सम्मानों के अलंकरण में मोती जड़ने का काम किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन ने संस्था के तृतीय स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्र गौरव सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जब समाज की प्रतिभाओं को सम्मान और समर्थन मिलता है तो वे नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित होती हैं। यह न केवल उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है बल्कि देश की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

प्रताप विहार स्थिति फ्लोरेस अस्पताल के कान्फ्रेस हाल में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीआईआईटी कालेज ग्रेटर नोएडा के चेयरमैन प्रोफेसर (डॉ.) भरत सिंह रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. एम. के. सिंह, अलग–अलग विधाओं में आठ विश्व रिकॉर्ड बना चुके दिल्ली के डॉ. सुरेश चंद्र वर्मा 'जसाला', 'राष्ट्र गौरव' अवार्ड प्राप्त मेरठ के रूपेन्द्र सिंह रोमी और गाजियाबाद के वरिष्ठ समाजसेवी सुधीर कुमार श्रीवास्तव शामिल थे। संयुक्त रूप से सभी अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इसके बाद समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसकेएफआई) के महानिदेशक अशोक कुमार, कोषाध्यक्ष अमित सक्सेना व गाजियाबाद जिलाध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव ने अतिथियों को शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मानित भी किया।

मुख्य अतिथि प्रो. भरत सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि होनहार प्रतिभाएं अपने परिवार के साथ ही समाज व देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। एसकेएफआई का यह बहुत ही बढ़िया प्रयास है। इससे अन्य लोगों का भी उत्साह बढ़ता है और उनमें कुछ अलग करने की ललक जगती है। लोगों का मनोबल बढ़ाने के लिए समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया का सम्मान समारोह एक बेहतर मंच है।

समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ एमके सिंह ने कहा कि होनहार प्रतिभाएं अपनी मेहनत और लगन से समाज एवं देश का नाम रोशन करती हैं। उनका सम्मान करने से उन्हें प्रोत्साहन मिलता है तथा अन्य लोग भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं। जबकि डॉ. सुरेश वर्मा 'जसाला' ने प्रतिभाओं के सम्मान को समाज का स्वर्णिम भविष्य बताया। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान करने से उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है और उनका किया गया सम्मान अन्य प्रतिभाओं के लिए भी प्रेरणादायी होता है।

राष्ट्रीय संयोजक सुधीर कुमार श्रीवास्तव के अनुसार, साहित्य, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाजसेवा, पर्यावरण, कला–संस्कृति एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रही जिन 51 प्रतिभाओं को 11 श्रेणियों में पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया है, उनमें गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और ओडिशा की रहने वाली प्रतिभाएं या उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहे। ये नाम हैं– रूपेंद्र सिंह 'रोमी', डॉ. आशा सिंह सिकरवार, अजीत सिंह बैसला, अनुराधा शर्मा, ममता श्रीवास्तव, डॉ. एमके सिंह, डॉ. गौरव गुप्ता, सुश्री दीपशिखा, रमेश प्रसाद श्रीवास्तव, डॉ. ज्ञान गौरव, जय प्रकाश रावत, डॉ. अशोक कुमार, ओम प्रकाश प्रजापति, डॉ. अकरम, डॉ. वीरेन्द्र कुमार मलिक, श्रीमती वंदना सोनी, रजनी ढौंडियाल, नरसिंह भाई अग्रवाल, सोनिका श्रीवास्तव, नवल किशोर निगम, सत्येन्द्र प्रकाश, मनोज श्रीवास्तव, संजीव भारद्वाज, ऋतु श्रीवास्तव, डॉ. नेहा पुंडीर, डॉ. विष्णु सक्सेना, राम स्वरूप भटनागर, शरद चंद्र लाल, श्रीमती वीणा सक्सेना, तुलसी उर्फ निशा सिंह, अशोक कुमार श्रीवास्तव।

इनके अलावा सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं में प्रोफेसर आशीष भटनागर, संजय मग्गू, विनोद सिन्हा, श्रीमती अंजलि, डीसी गुप्ता, गौरव आनंद प्रधान, संजय श्रीवास्तव, खीर मोहन अदाबर, संतोष कुमार वर्मा, कुलदीप सक्सेना, कुमारी प्रियल प्रधान, कुमारी तन्वी चौहान, सुषमा गंगवार, कविता सिंह, अर्चना ठाकुर, अमित सक्सेना, शुएब सलमानी, आस मोहम्मद और सुजाता सिंह भी शामिल रहे। इस अवसर पर अशोक मिश्र, डॉ. गीता, श्रीमती किरण श्रीवास्तव, डॉ अखलाक अहमद, विनय कुलश्रेष्ठ, अंकित कुमार श्रीवास्तव, नवनीत, सविता शर्मा, सुनील कुमार श्रीवास्तव, अजय यादव, मनोज कुमार, निभा श्रीवास्तव, पत्रकार, समाजसेवी एवं फ्लोरेस अस्पताल स्टाफ आदि उपस्थित रहे।

पाली थाना पुलिस ने सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से करायी निबंध प्रतियोगिता

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पाली थाना पुलिस ने सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से साइबर क्राइम आदि विषयों पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में नगर के कई विद्यालयों के छात्रध्छात्राओं ने प्रतिभाग किया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को शनिवार को थाना परिसर में हरदोई पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने मेडल पहनाकर प्रशस्ति पत्र व नकद धनराशि देकर पुरस्कृत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ सफलता के टिप्स दिए। पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।

सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार राय ने गांव की प्रमुख समस्याओं में गांव, कस्बा अथवा मोहल्लों की भविष्य में,चोरियां रोकने में सीसीटीवी कैमरे का महत्व एवं पशु चोरी के कारण व पशु चोरी रोकने के उपाय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया था। निबंधा प्रतियोगिता में डॉ अजर खां ,आशीष कुमार कश्यप, दुर्गा मिश्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर सफलता प्राप्त की।

इसके साथ ही पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिये जनता के पास कौन– कौन से विकल्प मौजूद हैं, पुलिस अधीक्षक द्वारा स्कूलध्कालेजों में चलाए जा रहे पिंक शिकायत पेटिका के महत्व पर प्रकाश, पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिए जनता के बीच चलायी जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों पर प्रकाश आदि विषयों पर निबंध लेखन में निशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। तथा विमल देव सिंह एवं आराध्या सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

साइबर क्राइम कितने प्रकार के होते हैं, साइबर अपराध रोकने में सीसीटीवी कैमरों के महत्व, साइबर अपराध रिपोर्ट करने के क्या–क्या विकल्प हैं, साइबर अपराध रोकने के अन्य आधुनिक उपाय सुझाने को लेकर निबंध लेखन में मलिक सानिया, रोजी, हम्द बानो, प्रशांत तिवारी, नम्रता त्रिपाठी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उरूज, वर्षा, कोमल, अनुपम देवी, विकास, अनीशा खान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सुरभि देवी,असरा खान, आकांक्षा देवी, सैफाली भारती, राधा, नीरजा कुमारी, तनु, जान्हवी अग्निहोत्री, हर्ष प्रताप सिंह, रीतू, असरा, नेहा पाल, प्रिया, वैष्णवी अग्निहोत्री, अयान खान, गौसिया, मानवेंद्र सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में मुख्य रूप से कस्बे के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कॉलेज, पंत इंटरमीडिएट कॉलेज एवं गुरुदेव ज्ञान मंदिर के बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागी सभी बच्चों को एसपी ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर शाहाबाद क्षेत्राधिकारी अनुज कुमार मिश्रा, निरीक्षक बृजेश कुमार राय, थानाध्यक्ष सोमपाल गंगवार, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश रंजन त्रिवेदी के अतिरिक्त छात्र–छात्राएं एवं उनके अभिभावक मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा एंव औषधि प्रशासन विभाग ने आधा दर्जन से अधिक पान मसालों की दुकानों पर मारा छापा

अयोध्या।सोमवार को सहायक आयुक्त (खाद्य)– खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मानिक चन्द्र सिंह ने अपनी टीम के साथ शहर के आधा दर्जन से अधिक पान मसालों की दुकानों पर छापा मारा।छापे में उन्हें कई ब्रांडों की पान मसाले मिले जो कि एक्सपायरी डेट की थी,उन्हें नष्ट किया गया,और कुछ पान मसालो को सीजकर उसका सेंम्पल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला के लिए भेजा। सबसे पहले उन्होंने कार्यवाही शहर के चौक स्थित पान मसाले की दुकान पर किया।इस दौरान उन्हें कई एक्सपायरी डेट की जिसमें खासकर सिग्नेचर,गोमती मसाला पान मसाला सिग्नेचर पान मसाले पाए गए।इसके अलावा रजनीगंधा, पान बहार, पान मसाला की सैंपल लेकर उसे सीज किया।इस

मौके पर सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एंव औषधि प्रशासन द्वितीय मानिक चंद्र सिंह ने बताया कि चौक में किए गए पान मसाले की दुकान पर की गई।कार्यवाही में 21,420 रुपये की लागत से विभिन्न ब्रांडों के पान मसाले एक्सपायरी डेट के पाए गए थे,जिसे अपने देखरेख में उसे नष्ट कराया गया।वही 17,540 रुपये की लागत से कई ब्रांडों की पान मसाले को सीज कर उसमें से कई मसाले की सैंपल लेकर संबंधित प्रयोगशाला को भेजा।इसके मालिक को सख्त हिदायत दी कि अगले आदेश तक इसकी विक्रय ना करें।उन्होंने बताया कि कार्यवाही के दौरान 12,300 रुपये की लागत से सिग्नेचर,1100 रूपये की लागत से गोमती पान मसाला तथा 8000 रुपये की लागत से सिग्नेचर पान मसाले जो एक्सपायरी डेट के पाए गए थे,उसे नष्ट किया गया।बताया कि इसी तरह 10,640 रुपए की लागत की रजनीगंधा,6900 रुपये की लागत से पान बाहर मसाले को सीज किया गया।उन्होंने बताया इसके अलावा 10 से अधिक पान मसालों की दुकानों पर छापेमारी की कार्यवाही की गई।उन्होंने इन व्यवसाईयों से कहा कि आप अपने प्रतिष्ठान पर एक्सपायरी डेट की वस्तुएं चाहे वह पान मसाला हो या चाहे अन्य वस्तुएं हो उसे न रखें अन्यथा आपके खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जाएगी। इस अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजय कुमार सोनी, संतोष साहू, सुमित चौधरी तथा सहायक खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनूप तिवारी मौजूद रहे।

भीम आर्मी सांसद पर हुए हमले की विरोध में कार्यकर्ताओं ने निकाला जुलूस सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मथुरा में भीम आर्मी प्रमुख और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद के काफिले पर दोहरा हमला हुआ। यह घटना 28 फरवरी की है। आजाद तीन अलग–अलग घटनाओं के पीड़ितों से मिलने जा रहे थे। भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऊपर हुए हमने को लेकर सोमवार को भीम आर्मी सेना के लोगों ने नगर में एक बड़ा जुलूस निकालकर विरोध जताया साथ ही कलेक्ट्रेट परिसर में चक्रम करते हुए सरकार विरोधी नारे भी लगाए तदुपरांत सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि पहली घटना भगतसिंह नगलिया गांव में हुई। यहां चंद्रपाल के परिवार पर फायरिंग की गई थी।

इसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। दूसरी घटना कालिंदी गांव में हुई। यहां बारात पर लाठी–डंडों से हमला किया गया। बारातियों की पिटाई की गई। दुल्हन के जेवर लूट लिए गए। बारात को चढ़ने भी नहीं दिया गया। इस मामले में बात करते हुए भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष डॉ एस पी मानव ने बताया कि सांसद चंद्रशेखर के काफिले पर पुलिस की मौजूदगी में दो बार हमला किया गया। हमलावरों ने काफिले की कई गाड़ियां तोड़ दीं। कई कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हुए। इन घटनाओं से मथुरा जिले और उत्तर प्रदेश के कमजोर वर्ग में डर का माहौल है। पार्टी ने पीड़ितों के लिए मुआवजे की मांग की है। भगतसिंह नगलिया के घायलों को 5–5 लाख रुपये और सिर्रेला के मृतक परिजनों को 25 लाख रुपये की सहायता राशि मांगी गई है।प्रथम चरण में 3 मार्च को सभी जनपद में प्रदर्शन हुआ है।अगले चरण में आगामी 10 मार्च को लखनऊ में विधान सभा के सामने धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

बीती रात राजस्व निरीक्षक से दो लाख की लूट जांच में जुटी पुलिस

ब्यूरो सुलतान पुर

सुलतानपुर। शातिर बदमाश लखनऊ–बलिया हाईवे पर दो लाख रुपए नकद की लूटकर हुए फरार नगरध कोतवाली के अमहट चौराहे से सटे गायत्री मंदिर के निकट पेट्रोल पंप के पास हुई घटना बलिया में तैनात राजस्व निरीक्षक सुरेंद्र शुक्ला के साथ सरे शाम हुई वारदात शिव वाटिका में अपने बेटे की शादी में पहुंचे रहे थे राजस्व निरीक्षक रुपए भराध बैग हाथ से छीनकर बाइक सवार बदमाश हुए चंपत नगर कोतवाली पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।